

हो रहा शुभ आगमन श्री मंजू बाईसा स्वागत भजन



हो रहा शुभ आगमन,
हर्षित हुआ है ये मन,
श्री मंजू बाईसा आज पधारे,
पावन हुआ ये घर आँगन,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
हो धन्य हुआ है ये जीवन,
बरस रहे नभ से सुमन,
राहो में श्री बाईसा के,
पलके बिछाये बैठे है हम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम।bd।

हो जहाँ जहाँ पड़े बाईसा के,
ये चरण कमल,
उस नगरी के भक्तों का,
मानो है पूण्य प्रबल,
श्री मंजू बाईसा आज पधारे,
जागे है भाग्य हमारे,
उस घर में छाई है खुशियाँ,
और मिटे सारे गम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम।bd।

श्री बाबोसा की शक्ति,
संग में जिनके रहती है,
सारी दुनिया प्यार से उनको,
मंजू बाईसा कहती है,
जय बाबोसा जो भी पुकारे,
हो जाये उसके वारे न्यारे,
मंजू बाईसा प्यार लुटाये,
भक्तों पे हरदम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम।bd।

विनती सुनकर श्री बाईसा,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी हैवाने, मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiyari.com>



एहसान आपका न भूलेगा,
गोलच्छा परिवार,
हो 'दिलबर' तुलसी आये है,
आया है बाबोसा परिवार,
प्राची मीनाक्षी और हर्ष,
गाते है सुरो की सरगम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम।bd।

हो रहा शुभ आगमन,
हर्षित हुआ है ये मन,
श्री मंजू बाईसा आज पधारे,
पावन हुआ ये घर आँगन,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
हो धन्य हुआ है ये जीवन,
बरस रहे नभ से सुमन,
राहो में श्री बाईसा के,
पलके बिछाये बैठे है हम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम,
सु-स्वागतम सु-स्वागतम।bd।

गायक – श्री हर्ष व्यास मुम्बई।
लेखक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365
